

साई साहिब मेरा प्राणों का प्यारा
 जीअ जिआरा आखों का तारा
 दीन दुनिया का वाली वारिस
 राम भगति का सचा सहारा॥

अमल अमानी अकथ कहानी रूप राशि सेवा की मूरति
 चरित्र प्यूष का पान करावत भक्ति भण्डार का अति उदारा
 सब गुण भूषण अति निर्दूषण ज्ञान के भूषण चमक रहा है
 लाड़ली लाल के प्रीतम मतिवारे रस में भीगे नैन खुमारा॥

रास रिसक हरी रस विस्तारण राम कथा के पूरण ज्ञाता
 संत शिरोमणि नृमल नेही दर्दवंद दरवेश दुलारा॥

जननी जनक के सुक्रत तरु के मधुर फल हैं गरीबि श्री खण्डि
 कथा सरोवर हंस मनोहर नित निरखें रस केल अपारा॥